ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-01-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-11	2025-01-12	2025-01-13	2025-01-14	2025-01-15
वर्षा (मिमी)	NA	NA	NA	NA	NA
अधिकतम तापमान(से.)	NA	NA	NA	NA	NA
न्यूनतम तापमान(से.)	NA	NA	NA	NA	NA
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	NA	NA	NA	NA	NA
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	NA	NA	NA	NA	NA
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	NA	NA	NA	NA	NA
पवन दिशा (डिग्री)	NA	NA	NA	NA	NA
क्लाउड कवर (ओक्टा)	NA	NA	NA	NA	NA

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 23.0 से 27.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 09.0 से 11.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 23.0 से 27.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 09.0 से 11.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम की स्थिति फसलों में कीट और रोगों की घटनाओं को बढ़ाने के लिए अनुकूल है। इसलिए नियमित रूप से अपने फसल क्षेत्र का दौरा करें और नियंत्रण उपायों का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों की फसल में छाछ्या रोग के लक्षण शुरू में पौधों की पतियों व टहनियों पर मटमैले सफेद चूर्ण के रूप दिखाई देती है। जो बाद में सम्पूर्ण पौधे पर फैल जाती है। जिसके कारण पत्तिया पीली होकर झड़ने लगती है। लक्षण दिखाई देने पर डाइनोकेप 48 ईसी 0.1 प्रतिशत का घोल (1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की फसल में किसान भाई एफिड कीट की लगातार निगरानी करते रहें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
जीरा	जीरे और इसबगोल की फसल में उखटा रोग का प्रकोप पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। रोग के नियंत्रण के लिए दो ग्राम रिडोमिल प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
	ईसबगोल की फसल में बुवाई के 65 दिन बाद सिंचाई करें। फसल को तुलासिता (डाउनी मिल्ड्यू) रोग से बचाने के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को बाहर की ठंडी हवा से बचाने के लिए रात के समय शेड में रखें, उन्हें ताजा/गुनगुना पानी दें। रात के समय जूट की बोरी से बने कपड़े पशुओं के शरीर पर रखें।